BSNL EMPLOYEES UNION

Recognised Union in BSNL
(Registered Under Indian Trade Union Act 1926. Regn.No.4896)
CHQ:Dada Ghosh Bhawan, Opp. Shadipur Bus Depot., New Delhi – 110008
Email: bsnleuchq@gmail.com, website: bsnleuchq.com

P. Abhimanyu
General Secretary

Phone: (O) 011-25705385
Fax : 011- 25894862

बीएसएनएलईयू/102 (सर्कुलर सं.10) दिनांक 12 अप्रैल 2018

सेवा में

सभी सर्किल सचिव,
केंद्रीय पदाधिकारी
और जिला सचिव

साथियो,

अगरतला सीईसी मीटिंग का महत्वपूर्ण फैसला

बीएसएनएलईयू की तीन दिवसीय केंद्रीय कार्यकारिणी कमेटी मीटिंग त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में 3 से 5 अप्रैल 2018 को हुई। एनई 1 सर्किल यूनियन और त्रिपुरा जिला यूनियन ने मीटिंग के लिए शानदार इंतजाम किए थे। मीटिंग झंडा फहराए जाने के साथ आरंभ हुई। कॉम. बलबीर सिंह, अध्यक्ष ने राष्ट्रध्वज फहराया। कॉम. पी अभिमन्यु, जीएस ने यूनियन का लाल झंडा फहराया। शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। एक संक्षिप्त लेकिन असरदार सांस्कृतिक कार्यक्रम से सीईसी मीटिंग आरंभ हुई। कॉम. बलबीर सिंह, अध्यक्ष ने मीटिंग की अध्यक्षता की। कॉम. मितुन रंजन भौमिक, चेयरमैन, स्वागत समिति ने सभी का स्वागत किया। कॉम. पी अभिमन्यु,जीएस ने सीएचक्यू की ओर से सभी का स्वागत किया और सीईसी मीटिंग के महत्व के बारे में संक्षेप में भाषण दिया। कॉम. के हेमलता, अध्यक्ष सीआईटीयू ने उद्घाटन भाषण दिया और सरकार की मजदूर विरोधी और कारपोरेट समर्थक नीतियों के बारे में विस्तार से भाषण दिया। कॉम. वी ए एन नंबूदिरी, संस्थापक जनरल सेक्रेटरी, बीएसएनएलईयू और श्री अशिश पाठक, जीएम, त्रिपुरा ने संबोधित किया और मीटिंग का स्वागत किया। अंत में कॉम. शंकर बर्धन, ज्वाइंट जनरल सेक्रेटरी, स्वागत समिति ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पहले दिन लंच के बाद के सत्र में कॉम. पी अभिमन्यु, जीएस ने गतिविधियों पर रिपोर्ट पेश की। उन्होंने वेतन संशोधन के मुद्दे में सुधार, सहायक टावर कंपनी से जुड़े घटनाविकास और बीएसएनएल के पुनरूद्धार में हासिल की गई उपलब्धियों के बारे में सदन को संक्षेप में सूचित किया। इसके बाद सीइसी सदस्यों द्वारा चर्चा आरंभ की गई। चर्चा सार्थक थी जिसने फलदायी फैसले लेने में मदद की।

दूसरे दिन लंच के बाद के सत्र में मध्यावधि समीक्षा का ऐजेंडा लिया गया। जनरल सेक्रेटरी ने पिछली अखिल भारतीय कॉन्फ्रेंस में और तिरूवनंतपुरम और नई दिल्ली केंद्रीय कार्यकारिणी मीटिंगों में लिए गए महत्वपूर्ण फैसलों पर एक प्रस्तुति पेश की। फैसलों को लागू करने के विषय में सीईसी सदस्यों ने विस्तृत मूल्यांकन किया। अंत में चर्चाओं का जनरल सेक्रेटरी ने समाहार किया और सर्वसम्मति से निम्नलिखित फैसले लिए गए।

फैसले

1) सहायक टॉवर कंपनी के खिलाफ अभियान और संघर्ष
सीईसी मीटिंग ने ऑल यूनियंस एंड एसोसिएशंस ऑफ बीएसएनएल (एयूएबी) द्वारा सहायक टॉवर कंपनी को रॉल बैक करने की मांग करते हुए लगातार चलाए जा रहे संघर्षों की प्रशंसा की। मीटिंग ने सहायक टॉवर कंपनी को चालू करने के लिए डॉट द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयत्नों को भी चिंता के साथ नोट किया। इसलिए मीटिंग ने तमाम सर्किल और जिला यूनियनों का एयूएबी द्वारा आहूत सभी संघर्षों को बड़े पैमाने पर आयोजित करने का आह्वान किया। एयूएबी द्वारा पहले ही किए गए आह्वानों के अलावा, सीईसी मीटिंग ने सुझाव दिया कि सहायक टॉवर कंपनी के खिलाफ आम जनता के बीच अधिक जोरदार अभियान जैसे सर्किल और एसएसए स्तर पर परिवार के सदस्यों के साथ सामूहिक धरने, टॉर्च रैलियां और प्रैस सम्मेलन भी आयोजित किए जाने चाहिएं। सहायक टॉवर कंपनी को रॉल बैक करने के लिए जनता के बीच ऐसे अभियान कार्यक्रम आवश्यक हैं। सीएचक्यू को इसे एयूएबी के साथ उठाने का निर्देश है।

2) वेतन संशोधन
सीईसी मीटिंग ने वेतन संशोधन के मुद्दे पर एक आरंभिक प्रगति (ब्रेकथ्रू) हासिल करने के लिए एयूएबी द्वारा की गई कार्रवाइयों की प्रशंसा की। माननीय एमओएस (सी) ने मुद्दे को कैबिनेट की स्वीकृति के लिए उठाने का आश्वासन दिया है। इन परिस्थितियों में सीईसी ने एयूएबी से चौकन्ना रहने और कर्मचारियों को 'संघर्ष के लिए तैयार' रखने का आह्वान किया है ताकि अंतिम सफलता सुनिश्चित की जा सके।

3) 03.05.2018 को ध्यानाकर्षण दिवस मनाना
सीईसी ने निम्नलिखित मुद्दों को हाइलाइट करने के लिए 03.05.2018 को लंच आवर प्रदर्शन आयोजित करके और काले बिल्ले पहन कर ध्यानाकर्षण दिवस मनाने का निर्णय लिया।

क) बीएसएनएल के विभिन्न कार्यों की आउटसोर्सिं के लिए अंधी दौड़ बंद करो।
ख) कंपनी के फिजूलखर्च पर रोक लगाओं।
ग) सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिकित्सा सुविधाओं में कटौती बंद करो।
घ) ठेका मजदूरों की छटनी बंद करो।
ड.) सीनियर टीओए कैडर में नई भर्ती करो।

4) 19 मई 2018 को कॉम. मोनी बोस स्मृति व्याख्यान
सीईसी मीटिंग ने नव–उदारवादी नीतियों के खिलाफ एक लगातार अभियान की जरूरत को और देश में साम्प्रदायिक सद्भाव को प्रोत्साहित करने की भी जरूरत को दुहराया। मीटिंग ने सीएचक्यू और सर्किल यूनियनों को 19 मई 2018 को जो कॉम. मोनी बोस की 8वीं पुण्यतिथि है, इन दो विषयों पर " **कॉम. मोनी बोस स्मृति व्याख्यान**" आयोजित करने का निर्देश दिया। सभी सर्किल यूनियनों से इस कार्यक्रम को बहुत ही असरदार तरीके से आयोजित करने के लिए फौरन कदम उठाने का अनुरोध किया जाता है। इन व्याख्यानों को देने के लिए प्रगतिशील विचारों के बुद्धिजीवियों, प्रोफेसरों, पत्रकारों का उपयोग किया जा सकता है।

5) सभी सीईसी सदस्यों द्वारा फिजूलखर्ची रोकने के लिए सीएचक्यू को दिए जाने वाले नोट्स

सीईसी मीटिंग ने बीएसएनएल में हो रहे फिजूलखर्च को रोकने के लिए फौरी जरूरत पर गंभीरता से चर्चा की। मीटिंग ने निर्देश दिया कि सभी सर्किल सेक्रेटरीज और केंद्रीय पदाधिकारियों को बीएसएनएल में विभिन्न स्तरों पर हो रहे फिजूल खर्च पर सीएचक्यू को एक नोट देना चाहिए। फील्ड नोट्स के आधार पर सीएचक्यू इस मुद्दे पर कारपोरेट प्रबंधन को एक विस्तृत नोट देगा। इस नोट को सीएचक्यू को 16.04.2018 तक दे दिया जाए।

6) युवा मजदूरों की कन्वेंशन आयोजित करना

सीईसी मीटिंग ने सक्रिय ट्रेड यूनियन आंदोलन में युवाओं को लाने की जरूरत पर जोर दिया। इसे हासिल करने के लिए सीईसी मीअिंग ने तय किया कि सभी सर्किल यूनियनों को **युवा मजदूर कन्वेंशन** आयोजित करनी चाहिएं। इस कन्वेंशन में डीआर जेईज को बड़ी संख्या में आमंत्रित करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। यह काम 30.06.2018 तक हो जाना चाहिए।

7) सीएचक्यू कोटा अदायगी पर निर्णय

सीईसी मीटिंग ने चिंता के साथ नोट किया कि सीएचक्यू कोटा जमा कराने से संबंधित पूर्व सीईसी मीटिंग के फैसलों को लागू नहीं किया गया है। इस संबंध में मीटिंग ने निम्नलिखित निर्णय लिए और सर्किल यूनियनों से इन निर्णयों को फौरन लागू करने के लिए अनुरोध किया है।

क) सभी सर्किल यूनियनों से अपने अपने सर्किल प्रशासनों से 2016 और 2017 के लिए जिला बार सीएचक्यू कोटा के विवरण फौरन एकत्रित करने और 30 अप्रैल 2018 तक सीएचक्यू को भेजने का अनुरोध है।

ख) यह देखा गया है कि यूनियन का चंदा कुछ सर्किलों में अब भी नई दरों पर नहीं बल्कि पुरानी दरों पर काटा जा रहा है। यह यूनियन संविधान का उल्लंघन है। सीईसी मीटिंग ने तय किया कि सभी ऐसी सर्किल यूनियनों को यूनियन का चंदा नई दरों पर काटने के लिए फौरन कदम उठाने चाहिएं।

ग) यह भी देखा गया है कि कुछ सर्किलों में सीएचक्यू कोटा सर्किल यूनियनों को हैंड ओवर कर दिया जा रहा है। यह इस विषय पर कारपोरेट ऑफिस आदेशों का उल्लंधन है। उन सभी सर्किलों में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सीएचक्यू कोटा प्रशासन द्वारा सीधे अखिल भारतीय यूनियन को भेजा जाए।

8) 14.04.2018 को डॉ. बी आर अंबेडकर की जयंती मनाओं

भारतीय संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के महान संरक्षक डॉ. बी आर अंबेडकर की जयंती 14. 04. 2018 को है। सीईसी मीटिंग ने फैसला लिया कि डॉ. बी आर अंबेडकर की जयंती सभी सर्किल और जिला यूनियनों द्वारा असरदार तरीके से मनाई जाए। इस अवसर पर बीएसएनएलईयू द्वारा बीएसएनएल में एससी/एसटी कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने के लिए किए जा रहे प्रयत्नों को उचित तरीके से हाइलाइट किया जाना चाहिए।

9) सीईसी मीटिंग के फैसलों को लागू करने के लिए केंद्रीय पदाधिकारियों को सर्किलों का आवंटन

अगरतला सीईसी मीटिंग में की गई मध्यावधि समीक्षा के आधार पर कुछ महत्वपूर्ण सांगठनिक फैसले लिए गए हैं। उसी के अनुरूप यह तय किया गया है कि सभी सर्किल यूनियनों को 30.04.2018 तक अपनी एक्जीक्यूटिव कमेटी मीटिंगें आयोजित करनी चाहिएं और एक मध्यावधि समीक्षा करनी चाहिए, जैसा अगरतला सीईसी मीटिंग में किया गया है। इन मीटिंगों में फैसलों को लागू करने की समीक्षा की जानी चाहिए। फैसलों को असरदार तरीके से लागू करने में मदद करने के लिए केंद्रीय पदाधिकारियों को विभिन्न सर्किल एक्जीक्यूटिव कमेटी मीटिंगों में भाग लेने की जिम्मेदारी आवंटित की गई है। वे सर्किल यूनियनों की मध्यावधि समीक्षा आयोजित करने में मदद करेंगे और सीईसी के फैसलों को लागू करने में भी मदद करेंगे। केंद्रीय पदाधिकारियों को सर्किलों का आवंटन निम्नलिखित है :–

1. **कॉम. बलबीर सिंह, अध्यक्ष** :– गुजरात, राजस्थन और उत्तराखंड।
2. **कॉम. पी अभिमन्यु, जीएस** :– कर्नाटक, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और एनटीआर।
3. **कॉम. स्वपन चक्रबर्ती, डिप्टी जीएस** :– पश्चिम बंगाल, कोलकाता, बिहार और झारखंड।
4. **कॉम. अनिमेश मित्रा, उपाध्यक्ष** :– उ प्र (पूर्वी), उ प्र (पश्चिम) और हरियाणा।
5. **कॉम. के आर यादव, उपाध्यक्ष** :– मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़।
6. **कॉम. जगदीश सिंह, उपाध्यक्ष** :– टेलीकॉम फैक्ट्री (जबलपुर), बीआरबीआरएआइटीटी(जबलपुर) और इंस्पेक्शन सर्किल (जबलपुर)।
7. **कॉम. आर एस चौहान, उपाध्यक्ष** :– कारपोरेट ऑफिस और एएलटीटीसी, गाजियाबाद।
8. **कॉम. एस चेल्लप्पा, एजीएस** :– आंध्र प्रदेश और तेलंगाना
9. **कॉम. सैयबल सेनगुप्ता, एजीएस** :– असम और टेलीकॉम फैक्ट्री (कोलकाता)।
10. **कॉम. जॉन वर्गीज, एजीएस** :– उडीशा और टेलीकॉम फैक्ट्री (मुम्बई)।
11. **कॉम. एम के दवे, एजीएस :–** महाराष्ट्र
12. **कॉम. गाकुल बोराह, कोषाध्यक्ष** :– एनई–1 और एनई–2 ।
13. **कॉम. एम विजयकुमार, संगठन सचिव** :– तमिलनाडु और चेन्नई।
14. **कॉम. एच वी सुदर्शन, संगठन सचिव** :– केरल।

सभी उपर्युक्त केंद्रीय पदाधिकारियों से उन्हें आवंटित किए गए सर्किलों के सर्किल सचिवों के साथ समन्वय करने और 30.04.2018 से पहले सर्किल एक्जीक्यूटिव मीटिंगें सुनिश्चित करने का अनुरोध है। उनसे इस संबंध में सीएचक्यू को एक रिपोर्ट भेजने का भी अनुरोध है।

10. टेलीकूसेडर और बीएसएनएल स्वर पर निर्णय

बीएसएनएलईयू के सदस्यों के बीच तेजी हो रहे सेवानिवृत्ति के चरण को ध्यान में रख कर सीईसी मीटिंग ने ब्रांच यूनियनों को भेजी जा रही टेलीकूसेडर और बीएसएनएल स्वर की कॉपियों की संख्यों में 20 प्रतिशत कमी करने का निर्णय लिया है।

03.05.2018 को ध्यानाकर्षण दिवस मनाओ

अगरतला में हुई सीईसी मीटिंग ने गंभीर चिंता के साथ नोट किया कि बीएसएनएल प्रबंधन को आउटसोर्सिंग का दौरा पड़ा है। प्रत्येक काम को, यहां तक कि उन कामों को जिन्हें हमारे कर्मचारियों द्वारा किया जा सकता है, आउटसोर्स किया जा रहा है। हो सकता है ''कुछ लोगों'' को इन आउटसोर्सिंगों का फायदा हो रहा हो। इस तथ्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि कंपनी का भारी धन इन आउटसोसिंगों के कारण नाले में जा रहा है। इसे रोकना होगा।

भारी फिजूलखर्ची कंपनी के वित्त को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रही है। बीएसएनएलईयू ने इस पर पहले ही सीएमडी बीएसएनएल और निदेशक (वित्त) का ध्यान खींचा है। हाल ही में हमें पता चला कि कारपोरेट ऑफिस के चार अधिकारियों ने एक क्रिकेट मैंच के संबंध में श्रीलंका का दौरा किया है। यह सिर्फ इस बात को दिखाता है कि उच्च प्रबंधन फिजूलखर्ची पर रोक लगाने के मूंड में नहीं है। इसकी बजाय प्रबंधन वित्तीय संकट से उभरने के नाम पर कर्मचारियों की वर्तमान चिकित्सा सुविधाओं में कटौती करने की कोशिश करता है। अगरतला सीईसी मीटिंग ने इन फिजूलखर्चियों पर रोक लगाने की मांग करते हुए प्रबंधन को एक विस्तृत नोट देने का निर्णय लिया है।

जहां तक नॉन–एक्जीक्यूटिव कैडरों का संबंध है सीधी भर्ती सिर्फ जेई कैडर में हो रही है। लेकिन, सीनियर टीओए कैडर में कोई भर्ती नहीं की जा रही है, हालांकि बड़ी संख्या में सेवानिवृत्तियों के कारण भारी शॉर्टेज है। इसलिए कंपनी को सीनियर टीओए कैडर में सीधी भर्ती करनी चाहिए।

कारपोरेट ऑफिस ने हाल ही में सीजीएम्ज को ठेका मजदूरों की संख्या में काफी कमी करने का निर्देश दिया है। इससे फौरी तौर पर कुछ बचत हो सकती है। लेकिन, लंबे समय में इससे हमारी सेवाओं की गुणवत्ता पर गंभीर असर पड़ेगा, चूंकि ठेका मजदूर मुख्य रूप से मरम्मत के काम में लगे हैं। इसको देखते हुए अगरतला सीईसी मीटिंग ने 03.05.2018 को ''ध्यानाकर्षण दिवस'' आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस दिन देशभर में काले बिल्ले पहन कर लंच आवर प्रदर्शन किए जाएंगे। ''ध्यानाकर्षण दिवस'' की मांगें निम्नलिखित हैं।

क) बीएसएनएल के विभिन्न कार्यों की आउटसोर्सिं के लिए अंधी दौड़ बंद करो।
ख) कंपनी के फिजूलखर्च पर रोक लगाओं।
ग) सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिकित्सा सुविधाओं में कटौती बंद करो।
घ) ठेका मजदूरों की छटनी बंद करो।
ड.) सीनियर टीओए कैडर में नई भर्ती करो।

सभी सर्किल और जिला यूनियनों से इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए पूरे प्रयत्न करने का अनुरोध है।

केंद्रीय पब्लिक सेक्टर ट्रेड यूनियंस (सीपीएसटीयूज) का निजीकरण के खिलाफ और वेतन संशोधन के हल के लिए संघर्ष तेज करने का फैसला

केंद्रीय पब्लिक सेक्टर ट्रेड यूनियंस ने 08.04.2018 को अर्नाकुलम में एक दिवसीय कन्वेंशन का आयोजन किया। सभी प्रमुख केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र प्रतिष्ठानों से 340 डेलीगेटों ने कन्वेंशन में भाग लिया। कॉम. तपन सेन, जनरल सेक्रेटरी, सीआईटीयू ने कन्वेंशन का उद्घाटन किया। उसके बाद 34 डेलीगेटों ने चर्चा में भाग लिया। मोदी सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र पर किए जा रहे अभूतपूर्व हमलों के बारे में डेलीगेटों ने एक विस्तृत तस्वीर पेश की। कॉम. पी अभिमन्यु, जीएस, बीएसएनएलईयू ने कन्वेंशन को संबोधित किया और इसकी एक विस्तृत तस्वीर पेश की कि कैसे सरकार एक सहायक टावर कंपनी बनाकर बीएसएनएल को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने बीएसएनएल को बचाने के लिए बीएसएनएल कर्मचारियों के लगातार संघर्षों और बीएसएनएल कर्मचारियों के वेतन संशोधन के मुद्दे पर घटनाविकास के बारे में भी बताया। मीटिंग ने प्रमुख मुद्दों पर निम्नलिखित कार्रवाई कार्यक्रम का निर्णय लिया।

<u>कार्रवाई कार्यक्रम</u>

1) सभी पीएसयूज में 7 से 11 मई 2018 को एक सप्ताह लंबा प्रचार, अभियान और आंदोलन।
2) अभियान सभी पीएसयूज में 11 मई 2018 को एक विशाल प्रदर्शन और प्रधानमंत्री, भारी उद्योग मंत्री और सार्वजनिक उद्यम विभाग को निम्नलिखित साझा पाठ के साथ फैक्स/मेसेज भेजने में अपने चरम विंदु पर पहुंचना चाहिए।

> ***" हम पीएसयूज के निजीकरण का सख्त विरोध करते हैं; हम 'फिक्स्ड टर्म एम्पलॉयमेंट' का विरोध करते हैं और गजट अधिसूचना को वापस लेने की मांग करते हैं; हम सीपीएसयूज में वेतन संशोधन प्रक्रिया और सामग्री पर सभी शर्तों/पाबंदियों को, खास तौर से वहनीयता की शर्त और वेतन समझौते की 'तीन वर्षीय समीक्षा' के निर्देश को रद्द करने की मांग करते हैं।"***

3) 25 मई, 2018 को नई दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र मजदूरों की अखिल भारतीय कन्वेंशन : निजीकरण के खिलाफ, 'फिक्स्ड टर्म एम्लॉयमेंट' पर गजट अधिसूचना को वापस लेने की मांग करते हुए और सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार पर सभी पाबंदियों और मजदूर विरोधी पूर्वशर्तों को वापस लेने की मांग करते हुए; सीपीएसयू मजदूरों के लिए सही और संतोषप्रद वेतन संशोधन के लिए। कन्वेंशन मांगों को हासिल करने के लिए संयुक्त कार्रवाई का अगला रास्ता तय करेगी।

सभी सर्किल और जिला यूनियनों से सीपीएसटीयूज के अर्नाकुलम कन्वेंशन के आह्वान को लागू करने का अनुरोध करती है।

सधन्यवाद

आपका

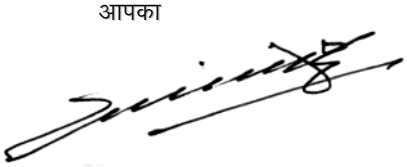

(पी अभिमन्यु)
जनरल सेक्रेटरी